

प्रेषक,

डा0 एस0एस0 संधू,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 25 अक्टूबर, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2011-12 में पर्यटन विकास के चालू निर्माण कार्यों हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-290/2-6-68/2011-12, दिनांक 14 सितम्बर, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत चालू निर्माण कार्यों हेतु निम्न विवरणानुसार ₹ 26.03 लाख (₹ छब्बीस लाख तीन हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	पूर्व अवमुक्त	मांग
1	2	3	4	5
1	ओतड़ मंदिर का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.03	2.00	3.03
2	ट्रेकिंग सम्पर्क मार्ग ओतड़ से नागटिब्बा, जनपद टिहरी	5.09	2.00	3.09
3	केदारी नरसिंह मंदिर मंझगांव का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	3.09	2.09	1.00
4	नागदेवता मंदिर काण्डीसौड़ का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.07	2.00	3.07
5	ग्राम सभा मुण्डाला के अन्तर्गत हिण्डोला में भगवती मंदिर का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.02	1.00	4.02
6	जाजल में शिवालय मंदिर का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.01	1.00	4.01
7	आगरं में पित्र/शिवालय मंदिर सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.05	1.00	4.05
8	चमराड़ा देवी मंदिर (पट्टी भरपूर) का सौन्दर्यीकरण, जनपद टिहरी	5.03	1.00	4.03
	योग :-	38.39	12.09	26.30

2- उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2012 तक पूर्ण उपयोग कर धनराशि की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र यथाशीघ्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।

3- कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने के पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगमन के अनुसार होने की पुष्टि कर ही भुगतान की जायेगी।

- 4- एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- 5- व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- 6- सभी योजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि एवं न्यूनतम निविदा के सापेक्ष होने वाली बचत का विवरण एवं धनराशि कार्यदायी संस्थाओं से पर्यटन निदेशालय द्वारा प्राप्त कर राजकोष में जमा करायी जायेगी और शासन को अवगत कराया जायेगा।
- 7- उपरोक्त योजनाओं की स्वीकृति एवं धनराशि अवमुक्त से सम्बन्धित पूर्व शासनादेशों में उल्लिखित शर्तें यथावत रहेंगी।
- 8- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-47-पर्यटन विकास की चालू योजनायें-24-वृहत् निर्माण कार्य मद के नामें डाला जायेगा।
- 9- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 के प्राविधानों द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० एस०एस० संधू)
सचिव।

संख्या:- 2455-VI(1)/2011-02(27)2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
- 5- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निजी सचिव-मा० पर्यटन मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 8- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
- 9- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।